Ch. BANSI LAL UNIVERSITY, BHIWANI

Session 2025-26

Scheme of Examination for M.A HINDI

Semester-II **Credits=22** **Marks=550**

Sr. No.	Paper Code	Subjects	Type of Course	Contact Hours Per Week			Credit			Examination Scheme			Total
				Theory	Tutorial/ Seminar/Lab	Total	Theory	Tutorial/seminar Lab practical	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	25HND-201	आधुनिक हिन्दी कविता (1936–1970)	C.C.	4	0	4	4	--	04	70	30	--	100
2	25HND-202	हिंदी नाटक एवं रंगमचं	C.C.	4	0	4	4	--	04	70	30	--	100
3	25HND-203	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	C.C.	4	0	4	4	--	04	70	30	--	100
4	25HND-204	हिन्दी उपन्यास	C.C.	4	0	4	4	--	04	70	30	--	100
5	25HND-205-A	लोक साहित्य	D.E.C इन में से विद्यार्थी को किसी एक का अध्ययन करना है	4	0	4	4	--	04	70	30	--	100
	25HND-205-B	हरियाणा का हिन्दी. साहित्य											
	25HND-205-C	आधुनिक भारतीय साहित्य											
	25HND-205-D	प्रवासी साहित्य											
	25HND-205-E	साहित्यिक सरोकार	D.E.C के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी MOOC/SWAYAM के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।										
	25HND-205-F	MOOC/SWAYAM											
6.	25HND-206 (IKS)	भारतीय ज्ञान परंपरा और हिंदी साहित्य	IKS	2	0	2	2		02	35	15	--	50
				22	**00**	**22**	**22**		**22**	**385**	**165**		**550**

C.C. = Core Course **D.E.C Disipline Elective Course**

IKS/VAC=Value Added Course/Indian knowledge System Compulsory course

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-201 आधुनिक हिन्दी कविता–1936 से 1960

समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. आधुनिक हिन्दी कविता के अन्तर्गत राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य की जानकारी मिलेगी।
2. प्रयोगवाद के तारसप्तक का महत्त्व, युगबोध एवं सोंदर्य बोध की जानकारी मिलेगी।
3. नई कविता के प्रमुख कवि, प्रवृतियॉं, आंदोलन, युगबोध की जानकारी मिलेगी।
4. छायावादोतर काव्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. आधुनिक कवियों नागार्जुन, केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, श्रीकान्त वर्मा की नवीन कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
6. उपर्युक्त कवियों की कविताओं के आधार पर आधुनिक युग बोध की जानकारी मिलेगी।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई –1

छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश
राष्ट्रीय –सांस्कृतिक काव्यधारा
प्रगतिवाद : प्रवृत्तियाँ, युगबोध एवं सौन्दर्यबोध

इकाई– 2

प्रयोगवाद : तारसप्तक का महत्त्व, युगबोध, सौन्दर्यबोध और प्रयोगधर्मिता
नई कविता की प्रवृत्तियाँ
नई कविता एंव अन्य समसामयिक काव्य आन्दोलन

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई–3

रामधारी सिंह दिनकरः (उर्वशी तृतीय सर्ग)
अज्ञेय : यह दीप अकेला,नदी के द्वीप
गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधेरे में, भूल–गलती
भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, गाँव, सतपुड़ा के जंगल

इकाई–4

नागार्जुन–अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है
केदारनाथ सिंह–बनारस,एक पारिवारिक प्रश्न
राजकमल चौधरी–मुक्तिप्रंसग
श्रीकांत वर्मा–मगध

संदर्भ पुस्तकें:–

1. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियॉ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि. नई दिल्ली
4. एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. कल्पना उर्वशी विवाद : सं0 गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. अज्ञेय,

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-202 हिन्दी नाटक एवं रंगमंच
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. नाटक और रंगमंच के ऐतिहासिक परिपेक्ष्य के द्वारा नाटक के सैद्वान्तिक और व्यावहारिक पक्ष की जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।
2. हिन्दी के प्रमुख नाटकों और नाटककारों के माध्यम से समाजिक यथार्थ का चित्रण।
3. हिन्दी नाटकों के माध्यम से समाज को सही दिशा की ओर अग्रसर करने की चेष्टा।
4. वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्रीय जागरूकता की चेतना प्रदान कर सकेगे।
5. हिन्दी नाटकों के माध्यम से तत्कालीन युगबोध की जानकारी मिलेगी।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास
नाटककारों का साहित्यिक परिचय–भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,जयशंकर प्रसाद,धर्मवीर भारती,शंकर शेष
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का अन्योश्रित संबंध

इकाई–2

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में राष्ट्रीयता
जयशंकर प्रसाद के नाटकों में सांस्कृतिक चेतना
धर्मवीर भारती के नाटकों में नाट्यशिल्प और अस्तित्ववाद
शंकर शेष के नाटकों की वर्तमान प्रासंगिकता

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई–3

भारत दुर्दशा–भारतेंदु हरिश्चन्द्र
ध्रुवस्वामिनी–जयशंकर प्रसाद

इकाई–4

धर्मवीर भारती–अंधायुग
शंकर शेष– एक और द्रोणाचार्य

संदर्भ पुस्तकें:–

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि.नई दिल्ली
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,नई दिल्ली
3. प्रसाद के नाटकों का भाषाशास्त्रीय अध्ययन : जगनाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स,दिल्ली
5. भारत दुर्दशा–भारतेंदु हरिश्चन्द, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,नई दिल्ली
6. ध्रुवस्वामिनी–जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,नई दिल्ली
7. धर्मवीर भारती–अंधायुग, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,नई दिल्ली
8. शंकर शेष– एक और द्रोणाचार्य, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-203 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी हिन्दी गद्य के उद्भव, विकास और विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेगे।
2. विद्यार्थियों 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुर्नजागरण के साथ–साथ भारतेन्दु व द्विवेदी युग के प्रमूख गद्यकारों की जानकारी मिलेगी। आधुनिक काल के सभी कवियों की जानकारी मिलेगी।
3. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद व नई कविता के प्रमुख कवि उनके काव्य के विविध पक्षों और प्रवृत्तियाँ को जान सकेंगे।

नोटः– प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई–1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुर्नजागरण
भारतेन्दु और उनका युग
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक

इकाई–2

छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य और प्रवृत्तियाँ
प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ
प्रयोगवाद के मुख्य कवि और प्रवृत्तियाँ
नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि व प्रवृत्तियाँ

इकाई–3

कहानी और उपन्यास
नाटक और एकांकी
निबन्ध
आलोचना

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई–4

आत्म–कथा, जीवनी,
संस्मरण,रेखाचित्र
रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य,
डायरी

संदर्भ पुस्तकें:–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्यः उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का वृहत्त इतिहास,नगेन्द्र,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र– 2025–26

25HND-204 हिन्दी उपन्यास

क्रेडिट : 4
समय : 3घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आऊटकम (COs)

1. विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास की अवधारणा को समझते हुए भारतीय परिवेश मे प्रेमचन्द युगीन उपन्यास के महत्व को जान पाएंगे।
2. हिन्दी उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न विमर्शों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. समकालीन हिन्दी उपन्यासों की प्रवृतियों को जानते हुए प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास व समकालीन हिन्दी उपन्यास में व्याप्त अन्तर को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे।
4. विद्यार्थी भूमण्डलीकरण के दौर के उपन्यासों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

हिन्दी उपन्यास : उद्भव,विकास और अवधारणा,
पूर्व प्रेमचन्दयुगीन हिन्दी–उपन्यास
प्रेमचन्दयुगीन हिन्दी–उपन्यास
प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास

इकाई–2

देश विभाजन और हिन्दी उपन्यास
समकालीन हिन्दी उपन्यास : परिचय
स्त्री उपन्यास लेखनः: विकास यात्रा
भूमण्डलीकरण और हिन्दी उपन्यास

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई–3

त्यागपत्र : जैनेन्द्र
रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल

इकाई–4

धरती धन न अपना–जगदीशचन्द्र
आपका बंटी– मन्नू भंडारी

संदर्भ पुस्तकें:–

1. हिन्दी उपन्यास एक अंतरयात्रा–रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
2. प्रेमचन्द और उनका युग–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
3. कथा समय–विजय मोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
4. प्रेमचन्द पूर्व के हिन्दी उपन्यास–ज्ञानचंद जैन, आर्य प्रकाशन मण्डल
5. अज्ञेय और उनके उपन्यास–गोपाल राय, ग्रंथ निकेतन, पटना
6. त्यागपत्र : जैनेन्द्र, हिन्दी ग्रंथ रत्नाकर कार्यालय,मुम्बई
7. रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
8. धरती धन न अपना–जगदीशचन्द्र, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
9. आपका बंटी– मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन,पेपरबैक, नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र–2025–2026

25HND-205A लोक साहित्य :सन्दर्भ एवं पाठ

क्रेडिट :4

समय : 3घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आऊटकम (COs)

1. लोकसाहित्य द्वारा विद्यार्थी विभिन्न प्रदेशों के लोक साहित्य का अध्ययन कर सकेगें।
2. लोकसाहित्य के विशिष्ट लेखकों, कवियों, निबन्धकारों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगें।
3. लोकसाहित्य के द्वारा लोकसंस्कृत से प्रभावित होकर विभिन्न लोक विधाओं का प्रचार करेंगे
4. लोकसाहित्य में आने वाली चुनौतियों एवं संरक्षण संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. लोकगीतों, कहानियों, सांगों, नृत्यों में रचि–बसी भारतीय संस्कृति की जानकारी प्राप्त करके भारतीय संस्कृति का प्रचार–प्रसार करेंगे।
6. लोकगीतों, हास्यगीतों, व्यंग्यगीतों, ऋतुगीतों के माध्यम से लोकसंस्कृति की जानकारी प्राप्त करेंगे।
7. लोकनाट्य द्वारा लोगों का मनोरजंन करना तथा सामाजिक बुराईयों को दूर करने का प्रयास करेंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

लोक–साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
लोक–साहित्य का इतिहास
लोक–संस्कृति और लोक–साहित्य
लोक–साहित्य : परम्परा एवं प्रयोग

इकाई–2

लोकगीत,लोककथा,लोकनाट्य अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप
लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया
लोक साहित्य के संकलन की विधियाँ
लोक साहित्य एवं दस्तावेजीकरण की समस्याएँ

इकाई–3

मीराबाई : लखमीचंद (लखमीचंद ग्रंथावली)

इकाई–4

हरियाणवी : उद्भव और विकास
हरियाणवी उपबोलियों का परिचय
हरियाणा के लोकगीत–
ऋतु गीत–खण्ड–1
सावन के गीत –1से 5
फागुन के गीत –1से 5
संस्कार–गीत खण्ड–2
पुत्र जन्म के गीत– 1से 5
विवाह गीत : 1से 5
पुस्तक का शीर्षक : (हरियाणा के लोकगीत, लेखक : साधुराम शारदा)

संदर्भ पुस्तकें:–

1. हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन : डॉ0 पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
2. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य : डॉ शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला
3. हरियाणवी साहित्य का इतिहासः डॉ बाबूराम, एवं रघुवीर मथाना, लक्षण साहित्य प्रकाशन, रोहतक
4. हरियाणवी भाषा और साहित्य : डॉ बाबूराम, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
5. हरियाणा के लोकगीत : साधुराम शारदा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र–2025–2026

25HND-205 B हरियाणा का हिन्दी साहित्य
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आऊटकम (COs)

1. हरियाणा की प्रतिनिधि कहानियों व कहानीकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. हरियाणवी साहित्य के अन्तर्गत खण्डकाव्य, मुक्तक काव्य, निबंध, आलोचना आदि की परम्परा एवं प्रवृतियों को जान पाएंगे।
3. विद्यार्थी हरियाणा की लोक संस्कृति से जुडकर हरियाणा के कवियों से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. विद्यार्थी हरियाणवी कहानियों के माध्यम से समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान से अवगत हो सकेंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

खण्ड काव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
मुक्तक काव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
निबंध : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
आलोचना : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई–2

उपन्यास : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
कहानी : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
लघु कथा : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
बाल–साहित्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई–3

हरियाणा की प्रतिनिधि कविताएँ, सम्पादक माधव कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
निर्धारित कवियों की कविताएं:–

1.सूरदास –पद 1–5

2. डॉ.सुधा जैन –चेहरे

3.सारस्वत मोहन'मनीषी'–शहर :नीला जहर

4.कैलाश राठी 'विशाल' –इंसान को होना है,इंसान अभी कुछ ओर

5.राजेन्द्र गौतम–वृद्वा–पुराण

इकाई–4

हरियाणा की प्रतिनिधि कहानियाँ, सम्पादक लालचंद गुप्त 'मंगल', हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
निर्धारित कहानियॉ:–1.ताई 2.पंखों में बॉध दिये पत्थर 3.छुट्टी का दिन 4.चेन के टुकड़े 5.विद्याव्रत मर गया

संदर्भ ग्रंथ:–

1. 'सप्तसिन्धु' हरियाणा साहित्य (विशेषांक), भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़, पंचकूला 1968
2. हिन्दी साहित्य को हरियाणा का योगदान, शशिभूषण सिंहल एवं सत्यपाल गुप्त, हरियाणा साहित्य अकादमी चण्डीगढ़, पंचकूला 1991
3. हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिन्दी साहित्य, रामनिवास मानव ,कृति प्रकाशन, दिल्ली एवं हिसार 1999
4. हरियाणा का हिन्दी साहित्य, लालचंद गुप्त 'मंगल' हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र–2025–2026

25HND-205 आधुनिक भारतीय साहित्य
समय : 3घण्टे

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझते हुए भारतीय साहित्य में निहित मूल्यों को समझ पाएंगे।
2. विभिन्न भाषाओं में निहित साहित्य व ज्ञान से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं की भाषा–शैली उदाहरण के लिए पंजाबी, बांग्ला, मराठी, तेलगू, उर्दू, कन्नड़ आदि से परिचित होंगे। जिससे उनका शब्द–भंडार समृद्व होगा।
4. विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य में निहित मूल्यों से परिचित होंगे।
5. विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं के साहित्य को पढ़ने की रूचि उत्पन्न होगी।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीय साहित्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति
भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब

इकाई–2

देश के हित में : नरेन्द्र कोहली
मढ़ी की दीवा : गुरदयाल सिंह

इकाई–3

गोरा : रविन्द्रनाथ ठाकुर
घासीराम कोतवाल : विजय तेन्दुलकर

इकाई–4

भारत तीर्थ, रवीन्द्रनाथ टैगोर
(अनुवाद एवं संपादन : हजारी प्रसाद द्विवेदी–साहित्य अकादमी, दिल्ली)
गालिब : कोई उम्मीद वर नही आती, हजारों ख्वाहिशे ऐसी कि हर ख्वाहिश पे दम निकल तेरे (सं. अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

संदर्भ पुस्तकें:–

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर–उदयांचल प्रकाशन, पटना
2. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमिः ए. आर. देसाई–मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ कुमारवड राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मृत्युंजय रवींद्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी–राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. गालिब की कविता : कृष्ण गौड़–नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. नरेन्द्र कोहली देश के हित में, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली। :

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र–2025–2026

25HND-205D प्रवासी साहित्य
क्रेडिट : 4
समय : 3घण्टे

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. प्रवासी साहित्य की अवधारणा से विद्यार्थियों को परिचित करवा सकेंगे।
2. प्रवासी साहित्य और साहित्यकारों की जानकारी दे सकेंगे।
3. भारतीय और विदेशी सभ्यता–संस्कृति का बोध करवा सकेंगे।
4. हिन्दी में प्रवासी साहित्यकारों के योगदान से अवगत करवा सकेंगे।
5. प्रवास में प्रवासी साहित्यकारो के साथ हुए व्यवहार से अवगत करवा सकेंगे।
6. प्रवासी साहित्यकारों के समर्पण व राष्ट्र–प्रेम भाव से किए लेखन से विद्यार्थियों को गर्व का अनुभव करवा सकेंगे।

नोटः–

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो–दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई– 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम–से–कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई–1

प्रवासी साहित्य का अर्थ, अवधारणा, स्वरूप और विकास
प्रवासी साहित्य की प्रवृत्तियाँ
प्रवासी साहित्य के रचनाकार
प्रवासी साहित्य में युग बोध

इकाई–2

हिन्दी में प्रवासी–लेखन
प्रवासी–साहित्य और भारतीयता
प्रवासी–साहित्य और मानवता
प्रवासी साहित्यकारों का साहित्य में योगदान

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई–3

प्रवासी कविता एंव कथा साहित्य–

डॉ. अंजना संधीर –अमेरिका हड्डियों में जम जाता है,संस्कार कभी नहीं डूबते
अभिमन्यु अनत की कहानियॉ – विपथगा,परंपरा
डॉ.सुरेशचन्द्र शुक्ल –आदर्श एक ढ़िंढोरा
तजेन्दर शर्मा :–कोख का किराया :
सैल अग्रवाल :– घर का ठूँठ :

इकाई–4

सुषम बेदी :– हवन (उपन्यास– अभिरूचि प्रकाशन दिल्ली)

संदर्भ पुस्तकें:–

1. वर्तमान–साहित्य, प्रवासी साहित्य विशेषांक : सं. कुंवर पाल सिंह–अलीगढ़
2. प्रवासी संसार : सं. राकेश पाण्डेय–दिल्ली
3. ब्रिटेन में हिन्दी : उशा राजे सक्सेना–मेधा बुक्स, दिल्ली अन्यथा अंक
4. विपथगा कहानी संग्रह,अभिमन्यु अनत,
5 हवन उपन्यास : सुषम बेदी–अभिरूचि प्रकाशन, दिल्ली
6. डॉ. अंजना संधीर,संगम–काव्य संग्रह, ज्ञान गीता प्रकाशन,दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र– 2025-26

25HND-205 E साहित्यिक सरोकार

क्रेडिट : 4
समयः 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी साहित्य की मूल अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी साहित्य का अन्य विद्याओं के साथ क्या संबंध है इसकी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. भाषा की समझ के साथ–साथ विद्यार्थियों को साहित्य सृजन के लिए प्रेरित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थिओं को साहित्य की समझ के साथ साहित्यिक विकास भी हो सकेगा।
5. साहित्य सृजन हेतु विद्यार्थियों को छंद और अंलकारों के महत्व की जानकारी मिलेगी।

नोटः–
प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न दो–दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई –1

भाषा और उसका सर्जनात्मक रूप
साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
साहित्य का प्रयोजन
साहित्य की प्रेरणा

इकाई –2

साहित्य और संस्कृति
साहित्य और समाज
साहित्य और दर्शन
साहित्य और प्रकृति

इकाई – 3

साहित्य और इतिहास
हिन्दी साहित्येतिहास
साहित्य और कलाएँ
शब्द–शक्तिःअर्थ,परिभाषा और प्रकार

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

इकाई –4

छंदः परिभाषा और भेद
अंलकारः परिभाषा और भेद
बिंबः परिभाषा और भेद
प्रतीकः परिभाषा और भेद

संदर्भ पुस्तकें:–

1. मैनेजर पाण्डेय–साहित्य के समाज–शास्त्र की भूमिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी–साहित्य के सहचर, लोक–भारती इलाहाबाद।
3. भगवतीचरण वर्मा–साहित्य के सिद्धान्त तथा रूप, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. नामवर सिंह–आलोचना और विचारधारा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. विश्म्भर मानव–रस, छंद, अंलकार, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

सत्र– 2025–26

25HND-206 (IKS)
भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 2
समय : 2 घण्टे
पूर्णांक : 50
लिखित : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15

कोर्स आउटकम (COs)

1. भारतीय ज्ञान परंपरा की जानकारी दे सकेंगे।
3. वेद,उपनिषद आदि की जानकारी दे सकेंगे।
4. प्राचीन एवं आधुनिक भाषाओं के साथ अन्य शास्त्रों के सम्बंधों की जानकारी मिल सकेगी।
5. भाषा के विविध रूपों एवं भारतीय भाषाओं की स्थिति की जानकारी मिलेगी।
6. भाषा में होने वाले सुधारों, खूबियों एवं देवनागरी लिपि की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

नोटः

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएगें। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 7 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम से 4 दीर्घ प्रश्न पूछे जाऐंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को कुल 2 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा।

इकाई –1 : भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय

भारतीय ज्ञान परंपरा अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

भारतीय ज्ञान परंपरा में अद्वैतवाद और विशिष्टाद्वैतवाद

रामायण और महाभारत : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण।

काव्यशास्त्र और अलंकार।

इकाई –2 : भक्ति और संत साहित्य

भक्ति आंदोलन का उद्भव और प्रभाव।

प्रमुख संत : कबीर, तुलसीदास

गांधी एंव विवेकानन्द के विचार।

लोक साहित्य और ज्ञान परंपरा का अंतःसंबंध

संदर्भ–सूची–

1. भारतीय ज्ञान परंपरा – प्रो. कपिल कपूर।
2. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. सत्यव्रत शास्त्री।
4. भक्ति आंदोलन और हिन्दी साहित्य – डॉ. नामवर सिंह।
5. भारतीय साहित्य में परंपरा और आधुनिकता – डॉ.. रामविलास शर्मा।
6. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. केदारनाथ सिंह।
7. भारतीय संस्कृति कोश – भारत सरकार प्रकाशन विभाग।
8. भारतीय ज्ञानपरम्परा–इंदिरा गॉधी ओपन युनिवर्सिटी पाठ्य सामग्री

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय,भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2025 से प्रभावी

Ch. Bansi Lal University
Bhiwani
Department of Hindi
Syallabus scheme & syllabus
(Ist Semerster to 2nd Semester)
Choice based system

Implemented from July 2025